लक्ष्मीबाई कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय

University of Delhi

बी ए (प्रोग्राम)

दर्शनशास्त्र में प्रवेश
2020/2021

विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम

- .क्रेडिट-आधारित प्रणाली का मूल विचार छात्रों को निर्धारित पाठ्यक्रमों से चुनने की अनुमति देना है।जिन्हें कोर के रूप में संदर्भित किया जाता है।
- यह छात्रों को उनकी आवश्यकताओं और क्षमताओं के अनुसार विषय चुनने की अधिक स्वतंत्रता देता है।
- यह अपने व्यक्तित्व को बढ़ाने के अलावा छात्रों के व्यापक विकास पर केंद्रित है।
- क्रेडिट सिस्टम छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार स्वयं चयनित अनुक्रम में अध्ययन करने की अनुमति देता है।

संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (CGPA)

* यह ग्रेडिंग सिस्टम के माध्यम से मूल्यांकन प्रणाली और गणना में एकरूपता लाता है।

* उम्मीदवारों के प्रदर्शन का आकलन करने में संभावित नियोक्ता को सक्षम करता है।

* छात्रों को भारत के भीतर और पूरे देश के संस्थानों में स्थानांतरित करने में मदद करता है।

बी ए (प्रोग्राम) दर्शनशास्त्र (फिलॉसफी) पाठ्यक्रम संरचना

बी ए (प्रोग्राम) हर साल दो सेमेस्टर में विभाजित एक तीन साल का कोर्स है, इस प्रकार कुल छह सेमेस्टर हैं

- कार्यक्रम में शामिल हैं:
- कोर पाठ्यक्रम (CC) - सभी अनिवार्य पाठ्यक्रम
- वैकल्पिक पाठ्यक्रम - अनुशासन विशिष्ट चुनाव (DSE)
- कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)
- जेनेरिक ऐच्छिक (GE)
- योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (AECC)
- एक डिग्री प्राप्त करने के लिए एक छात्र को अध्ययन करना चाहिए -
- बारह सीसी(12 CC)
- चार सेकं(4 SEC)
- दो जीई(2 GE)
- चार डी.एस.ई.(4 DSE)
- दो एईसीसी (2 AECC)

बी ए (प्रोग्राम) में दर्शनशास्त्र का अध्ययन करने का उद्देश्य

B.A (कार्यक्रम) दर्शनशास्त्र कार्यक्रम के समग्र उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

छात्रों को तार्किक और गंभीर रूप से तथा विश्लेषणात्मक रूप से सोचने में सक्षम करता हैं और दर्शन तथा इसके संज्ञानाओं के बारे में मजबूत जिज्ञासा पैदा करना है ।

दार्शनिकों के विभिन्न सिद्धांतों की परिभाषाओं, प्रमुख अवधारणाओं और सिद्धांतों की समझ विकसित करना तथा विभिन्न सिद्धांतों के संबंध में तुलना और विपरीत तकनीकों का विकास करना।

छात्रों में नैतिकता, सामाजिक विज्ञान और प्राकृतिक विज्ञानों के तकनीकी प्रभावों से उत्पन्न समस्याओं और समस्याओं को संभालने के लिए दार्शनिक सिद्धांत में विकसित महत्वपूर्ण सोच वाले उपकरणों को लागू करने की क्षमता विकसित करना।

बी ए (प्रोग्राम) दर्शनशास्त्र के लिए क्रेडिट वितरण

पाठ्यक्रम	थ्योरी + प्रैक्टिकल	थ्योरी + ट्यूटोरियल
कोर पाठ्यक्रम (12 पेपर) दो पेपर अंग्रेजी दो पेपर MIL चार पेपर Discipline 1 चार पत्र Discipline २ मूल पाठ्यक्रम प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल * (12 प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल *	12X4= 48 12X2=24	12X5= 60 12X1= 12
वैकल्पिक पाठ्यक्रम (6 पेपर्स) दो पेपर : Discipline 1 विशिष्ट दो पेपर : Discipline २ विशिष्ट दो पेपर : अंतःविषय (Interdisciplinary) (पसंद के प्रत्येक अनुशासन(Discipline)से दो पेपर और अंतःविषय प्रकृति के दो पेपर।) वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल * (6 प्रैक्टिकल / ट्यूटोरियल *) दो पेपर- Discipline १ विशिष्ट दो पेपर- Discipline २ विशिष्ट दो पेपर- जेनेरिक (इंटर डिसिप्लिनरी) (पसंद के प्रत्येक अनुशासन से दो पेपर अंतःविषय प्रकृति के पेपर सहित।) • 6 वें सेमेस्टर में एक वैकल्पिक पेपर (6 क्रेडिट) के स्थान पर वैकल्पिक शोध प्रबंध या परियोजना का काम	6X4 = 24 6X2= 12	6X5=30 6X1= 6

बी ए (प्रोग्राम) दर्शन के लिए क्रेडिट वितरण

Courses	Theory+Practical	Theory+Tutorial
योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम 1. क्षमता संवर्धन अनिवार्य (प्रत्येक 2 क्रेडिट के 2 पेपर) 2. क्षमता संवर्धन ऐच्छिक (कौशल आधारित) (प्रत्येक 2 क्रेडिट के 4 पेपर)	2X2= 4 4X2= 8	2X2= 4 4X2= 8
Total Credits	120	120

पाठ्यक्रमों का सेमेस्टर-वार वितरण

Sem	मूल पाठ्यक्रम Core Paper	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (Skill enhancement course (SEC))	विशिष्टअनुशासन ऐच्छिक (Discipline specific elective (DSE))	सामान्य ऐच्छिक (General elective (GE))
I	Logic (DSC) (I) Introduction to Logic (MIL I) तर्क (DSC) (I) लॉजिक का परिचय (MIL I)			
II	Ethics (DSC) (II) Ethical Studies (MIL II) नैतिकता (DSC) (II) नैतिक अध्ययन (MIL II)			
III	भारतीय दर्शन (DSC) (III) भारतीय दर्शन का परिचय (MIL III)	Ethical Decision Making (SEC I) नैतिक निर्णय लेना (SEC I)		
IV	आधुनिक पश्चिमी दर्शन (DSC IV) पश्चिमी दर्शन का परिचय (MIL IV)			

पाठ्यक्रमों का सेमेस्टर-वार वितरण

Sem	मूल पाठ्यक्रम Core Course	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम Skill enhancement course (SEC)	विशिष्टअनुशासन ऐच्छिक Discipline specific elective (DSE)	सामान्य ऐच्छिक General elective (GE)
IV	Modern Western Philosophy (DSC) (IV) आधुनिक पश्चिमी दर्शन (DSC) (IV)	Yoga Philosophy (SEC II) योग दर्शन (SEC II)		
V		Art & Film Appreciation (SEC III) कला और फिल्म प्रशंसा (एसईसी III)	Buddhism (DSE 2) बौद्ध धर्म (DSE 2)	Technology and Ethics (GE 2A) प्रौद्योगिकी और नैतिकता (GE 2A)
			Social and Political Philosophy (DSE 4) सामाजिक और राजनीतिक दर्शन (DSE 4)	
VI		Critical Thinking & Decision Making (SEC IV) महत्वपूर्ण सोच और निर्णय करना (एसईसी IV)	Philosophy of Religion (DSE 7) धर्मदर्शन (DSE 7)	Philosophical Thoughts of Ambedkar (GE 3) अम्बेडकर के दार्शनिक विचार (जीई 3)

पाठ्यक्रमों का लर्निंग आउटकम

बी ए (प्रोग्राम) दर्शनशास्त्र के लिए पाठ्यक्रम को छात्रों की आवश्यकताओं, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं के साथ-साथ एक विषय के रूप में दर्शन की आधुनिकतावादी प्रवृत्तियों और पद्धतिगत दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। छात्र दर्शन में प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्रोतों को पढ़ने में सक्षम होंगे तथा छात्र अपने स्वयं के दार्शनिक तर्कों को विकसित करने में भी सक्षम होंगे।

Career Prospects

विकास संभावना

दर्शन को दुनिया की मूल संरचना के बारे में एक सार अध्ययन माना जाता है। यह प्रत्येक विषय की नींव की दिशा में काम करता है, जो दुनिया की प्रकृति की जांच कर रहा है, लेकिन यह न केवल विज्ञान की नींव से संबंधित है, बल्कि मानविकी की नींव के साथ-साथ सामाजिक संरचनाओं को भी शामिल करता है, इसलिए दर्शन का दायरा बहुत बड़ा है। दर्शन तार्किक तर्क की आदतों को शामिल करता है, ग़लत तर्क से बचता है, प्रकृति के प्रत्येक और हर पहलू के स्थान के बारे में अधिक सावधानी से सोचता है। एक दर्शन का छात्र एक महत्वपूर्ण विचारक के रूप में उभरता है जो अंकित मूल्य पर कुछ भी स्वीकार नहीं करता है। दर्शन का छात्र अपने विभिन्न पहलुओं के बारे में सुधारात्मक प्रतिबिंब के माध्यम से समाज में योगदान देता है। दर्शनशास्त्र में डिग्री हासिल करने से छात्रों को मीडिया, शिक्षा, कानून, राजनीति, सरकार आदि में दिलचस्प करियर बनाने में मदद मिलेगी।

दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित कुछ गतिविधियों की झलक

दर्शनशास्त्र विभाग

धन्यवाद